

शादी में दिल खोल कर चुदी -6

“पति से चुदाने के बाद शादी के कार्यक्रम में पति पीने खाने में मस्त हो गए और मेरा आशिक मौक़ा पाकर मुझे रिजोर्ट के एकांत में लेजा कर लंड चुसवाने लगा.
मेरी चूत तड़प उठी. ...”

Story By: neha rani (neharani)

Posted: Thursday, December 17th, 2015

Categories: [कोई मिल गया](#)

Online version: [शादी में दिल खोल कर चुदी -6](#)

शादी में दिल खोल कर चुदी -6

मेरे कामुक दोस्तों अब तक आपने पढ़ा..

पति ने मुझे कसके पकड़ कर कहा- नेहा.. मैं झड़ने वाला हूँ..

कहते हुए उन्होंने थोड़े जोर के धक्के लगा कर मेरी चूत में वीर्य की तेज धार छोड़ी, साथ ही मेरे चूचों पर अपना सिर रख कर हाँफने लगे। मैंने भी उनके लंड के गर्म वीर्य को अपनी चूत में महसूस किया, मैं भी एक बार और झड़ गई..

आज दिन में मेरी तीन बार चुदाई हुई, अभी एक बार रात में फिर एक अनजान गैर पुरुष के आगोश में जाना बाकी था।

अब आगे..

अभी तक पति का लंड मेरी चूत में ही पड़ा था और पति मेरे ऊपर ही पड़े थे। पति का लण्ड धीमे-धीमे छोटा होता जा रहा था।

मैं बोली- मेरी चूत की तो माँ चोद चुके हो.. क्या अब मेरी जान ही लोगे ?

पति बोले- क्यूँ जानू ?

मैं बोली- अब आप मेरे ऊपर हो.. मेरी जान निकल रही है..

तब पति- तुमने तो मुझे पूरा निचोड़ लिया है.. मैं जरा थक गया यार.. सच में तुम्हारी चूत चोदना कोई खेल नहीं है..

यह कहते हुए पति बाथरूम में चले गए, मैं बिस्तर पर पड़ी लेटी रही।

पति बाथरूम से बाहर आकर बोले- चलो जल्दी तैयार हो जाओ.. नीचे सभी लोग वेट कर रहे होंगे.. शादी का फंक्शन शुरू हो गया है।

मैं भी फ्रेश होने बाथरूम गई और फिर एक बैगनी कलर का लहंगा.. जो शादी के लिए लाई थी.. पहन कर तैयार हो गई।

पति भी ब्लेजर जीन्स पहन कर तैयार हो गए थे।

फिर हम दोनों एक साथ बाहर आए.. बाहर शादी की सारी तैयारियाँ हो गई थीं। सभी लड़के और लड़कियाँ डान्स कर रहे थे और वह लड़का भी दिखा.. जो आज रात मेरी चूत चोदने वाला थाम वो खूब डान्स कर रहा था।

शादी का इंतजाम भी उसी होटल में था, बारात होटल के बाहर रोड से होते हुए पुन : होटल के लिए आ रही थी।

तभी उस लड़के की निगाह मेरे ऊपर पड़ी।

वह मेरी तरफ बढ़ा और मेरा हाथ पकड़ कर मुझे रिक्वेस्ट करते हुए डान्स के लिए खींचते हुए लेकर डान्स करने लगा। मैं भी उसके साथ थोड़ा डांस करने लगी। इसी दौरान उसने मेरे दूध दबाते हुए कहा- मेरी जान आज रात मेरे लौड़े से चुदने आ रही हो ना..

मैंने बस मुस्कराकर उससे चुदने की मौन स्वीकृति दे दी।

उस लड़के को जब भी मौका मिलता.. भरी महफिल में कभी मेरे चूतड़ों पर कभी मम्मों को दबाकर चला जाता। उसकी उस हरकतों से मैं गर्म होने लगी थी और मेरी चूत पानी छोड़ कर और मेरे चूतड़ चुदने के लिए दोनों ही मचल रहे थे।

धीमे-धीमे रात गहरी हो रही थी.. अब 11:15 का समय हो रहा थाम लोग खाने पीने में मस्त थे, मेरे पति भी अपने दोस्तों में मस्त थे। मैं दुल्हन और पति के दोस्त के घर की सभी औरतों के साथ थी..

तभी वही लड़का आया, वो मुझसे बोला- भाभी.. भैया जी आपको बुला रहे हैं।

यहाँ आप सभी को बताना जरूरी है कि होटल एक रिसार्ट किस्म का था.. वाटर पार्क..

झाड़ियाँ और बच्चों के लिए छोटा सा चिड़ियाघर भी था। काफी बड़े एरिया में था।

मैं बोली- कहाँ हैं ?

तो वह बोला- उधर हैं..

एक झाड़ी की तरफ उसने इशारा किया ।

मैं उसके साथ चल दी.. जिधर वह ले गया, उधर कोई नहीं था.. मैं डर गई कि कहीं साला अभी तो चोदना शुरू नहीं कर देगा..

मैं बोली- इधर कहाँ हैं ?

बोला- शायद कमरे की तरफ चले गए हों.. उन्हें आपसे बहुत जरूरी काम था ।

मैं और आगे बढ़ती गई । शादी की तैयारी कमरे के पीछे की तरफ था । इतने में वह रूका और मुझ पर झपट पड़ा और मुझे पकड़ कर बागान की तरफ घसीटते हुए ले जाकर बोला- जान... रहा नहीं जा रहा था.. एक बार मेरा माल निकाल दो.. फिर बाद में तेरी चूत चोदूँगा. ।

मैं बोली- यह क्या किया ? किसी की निगाह पड़ गई होगी तो ? मैंने कहा था न.. रात को तो मैं आने वाली थी न.. फिर इतनी जल्दी क्या थी ?

वह बोला- मेरी जान.. जितनी जल्दी मेरे लण्ड का माल बाहर करोगी.. उतनी ही जल्दी चली जाओगी.. बात मत करो शुरू करो..

वो अपने पैंट की जिप खोल कर लण्ड निकाल कर हिला रहा था । मैं उसका लण्ड देख कर मचल उठी और सीधे नीचे बैठ कर मुँह में लेकर चूसने लगी । बहुत ही मस्त लण्ड था.. मजा आ गया । मैं सब कुछ भूल कर लॉलीपॉप की तरह लण्ड चूसने लगी । यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

वह मस्त होकर बोला- आह्ह.. साली आज रात तेरी चूत फाड़ ही दूँगा.. चूस मेरे लण्ड को.. आह्ह.. चूस मेरे लंड के सुपारे को.. साली.. आज की रात को अपनी चूत की खैर मना.. आज तेरी वो चुदाई करूँगा कि तू याद रखेगी कि किस लण्ड से पाला पड़ा है.. मेरे लौड़े में वो ताकत है कि तू अरुण के लौड़े या पति के लौड़े को भूल जाएगी ।

मैं बोली- हाँ.. उन सबसे तेरा लण्ड मस्त मोटा है रे..

इधर मेरी चूत रानी पानी छोड़ रही थी, मेरी पैन्टी गीली हो रही थी, मैं मदहोश हो रही थी, मुझे लग रहा था कि चाहे जो हो जाए मैं चुद कर ही जाऊँगी यहाँ से।

अब मेरी चूत पानी छोड़ चुकी थी और मेरा चूत रस बह रहा था। लण्ड चूसते हुए मैं एक हाथ से उसके अंडकोषों को सहलाने के साथ रह-रह कर उनको दबा भी देती थी..। मैं पूरा लण्ड से मुँह से निकाल कर बोली- मेरी चूत के मालिक, रात को तो चोदना ही.. पर उससे पहले एक बार अपना लण्ड मेरी चूत में अभी ही डाल दो।

वह बोला- आहूह.. साली.. चूस.. मुझे तेरे मुँह में ही झड़ना है.. ले जल्दी से.. नहीं तो अभी कोई आ जाएगा।

मैं बोली- आने दो.. मुझे डर नहीं.. जब तक तीन-चार धक्के मेरी चूत में तुम्हारे लण्ड से नहीं लगवा लूँगी.. मानूँगी नहीं..

वह बोला- साली तू औरत है.. या सेक्स की भूखी है ?

मैं बोली- एक बार मेरी ले लो.. ताकि मुझे भी तसल्ली हो जाए.. और तेरे लण्ड का स्वाद भी मेरी चूत को मिल जाएगा। फिर चाहे तुम मेरे मुँह में ही झड़ जाना।

वह बोला- ठीक है.. खड़ी हो साली..

यह कह कर मुझे आगे की तरफ झुका कर मेरा लहँगा उठाकर मेरी पैन्टी को निकाल कर अपनी जेब में रख लिया।

बोला- जान यह अब मेरे पास रहेगी।

यह कहते हुए मेरी चूत पर लण्ड लगा कर एक ही बार में पूरी ताकत लगा कर मेरी पनियाई हुई चूत में अपना लण्ड पेल दिया।

मेरे मुँह से सिसकारियाँ छूटने लगीं- उफ़फ़ फफ़फ़.. अहह सीयह..

‘आहूह.. ले साली.. मेरा पूरा लंड खा गई है.. तेरी फूली चूत.. मेरी रानी..’

मैं तेज़ी से चूतड़ आगे-पीछे करने लगी- चोद मुझको.. मेरी चूत का बाजा बजा दे.. आहूह..

इतना सुनते ही उसने धक्के तेज़ कर दिए और मुझे चोदने लगा।

‘अहह.. अहह.. साले.. तेरा लंड मेरी बच्चेदानी से टकरा रहा है.. उफफ फफफ.. अहह..।’
मैं सीत्कार करती रही और 20-25 धक्कों के बाद मेरी चूत से लण्ड निकाल कर मेरी मुँह में दे दिया।

मैं तड़फ कर रह गई.. चूत के पानी से भीगा रस मुँह से चाटने लगी।

तभी उसके लण्ड ने पिचकारी निकाली.. जो सीधे मेरे मुँह के अन्दर चली गई। वो अपना वीर्य छोड़ने लगा.. उसका लण्ड वीर्य का मोटा फव्वारा छोड़ रहा था। मैंने उसके सारे रस को निगल कर.. लण्ड को चाट कर साफ कर दिया।

वह लण्ड को सीधे अपनी पैन्ट में डाल कर बोला- अपना नम्बर दे.. मैं कॉल करूँगा कि तुमको कहाँ आना है।

मेरा नम्बर लेकर बोला- मजा आया ?

मैं बोली- बहुत पर प्यासी हूँ.. और चोद जाओ ना..

पर वह मेरी बात को अनसुना करके चला गया.. मैं प्यासी ही रह गई..

अपनी प्यासी चूत पर हाथ फेर कर मन मार कर कपड़े ठीक करके चल दी।

आगे देखो कि आज रात मेरी चूत की चुदाई हुई या मैं प्यासी रह गई.. तब तक के लिए बाय..

आपकी नेहा।

neharani9651@gmail.com

